

68



माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर म.प्र.

प्रकरण क्रमांक : /2016 पुनरीक्षण

AJT - 431 - III - 16

प्रहलादसिंह पिता भंवरजी उर्फ भंवरलाल गेहलोत
आयु 45 वर्ष, धंधा खेती
निवासी ग्राम बांसला, तहसील शुजालपुर जि. शाजापुर
..... आवेदक

विरुद्ध

क्षमाबाई पुत्री गंगाधर पत्नी रमेशचन्द्र
आयु 42 वर्ष जाति सुतार, धंधा गृहकार्य
निवासी ग्राम अरनियाकलाँ, तहसील कालापीपल
जिला शाजापुर म.प्र.
म.प्र.शासन द्वारा कलेक्टर जिला शाजापुर
म.प्र.शासन द्वारा तहसीलदार शुजालपुर जि. शाजापुर
..... अनावेदकगण

तहसीलदार शुजालपुर के न्यायालय के प्रकरण क्षमाबाई विरुद्ध
शासन क्रमांक 46 अ 6/2010-2011 नामान्तरण में पारित आदेश
दिनांक 27.07.2011 छल, कपट, बेईमानी से बिना अधिकारिता के
प्राप्त करने के प्रारम्भतया अवैध एवं शून्य व आज्ञापक प्रावधानों के
उल्लंघन एवं अतिक्रमण कर पारित आदेश से असंतुष्ट एवं दुःखी
होने से उसे अपास्त करने हेतु निगरानी। *कलक सो.प.स.भू.व.क.पि.*

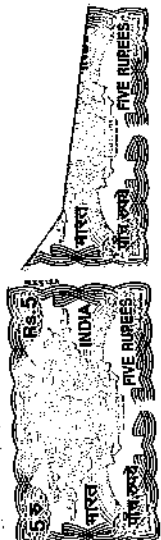
मान्यवर महोदय,

आवेदक का सविनय निवेदन निम्नानुसार है कि :-

निगरानी के संक्षिप्त तथ्य

वर्षों से शासकीय अभिलेखों में मुझ आवेदक की पैतृक भूमि कुल कित्ता 38 रकबा
14.714 हेक्टर ग्राम बांसला तहसील शुजालपुर जिला शाजापुर मध्यप्रदेश में स्थित है। मेरे
पिता भंवर उर्फ भंवरलाल गेहलोत को उनके पिता से उक्त भूमि विरासत में मिली है।
निगरानीग्रस्त भूमि का विवरण निगरानी के साथ संलग्न परिशिष्ट "अ" में दिया है,
निगरानी का अंग है। मुझ आवेदक के पिता की मृत्यु दिनांक 10.01.2001 को होने से मैं
उक्त पैतृक सम्पत्ति (भूमि) का इकलौता वारिस होने से विधितया मैं ही उक्त भूमि का
मालिक व काबिज हूँ। अनावेदक के पिता गंगाधर पिता भेरूलाल निवासी ग्राम अरनियाकलाँ

(Signature)



Mehmood Ali Siddiqui
Adv. 3.
17/2/2016

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ

भाग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 431-तीन/2016

प्रहलाद सिंह

विरुद्ध

जिला उज्जैन
क्षमाबाई

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकर्ता एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
17-2-2016	<p>आवेदक द्वारा यह निगरानी तहसीलदार शुजालपुर जिला शाजापुर के प्रकरण क्रमांक 46/अ-6/2010-11 में पारित आदेश दिनांक 27-7-2011 के विरुद्ध प्रस्तुत की है। निगरानी के साथ संहिता की धारा 48 का आवेदन पेश किया है।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया तथा निगरानी के साथ प्रकरण में संलग्न आदेश की प्रति का अवलोकन किया, जिससे स्पष्ट है कि आवेदक ने तहसीलदार द्वारा नामांतरण प्रकरण में अंतिम आदेश पारित किया है। तहसीलदार का उक्त आदेश अपीलीय योग्य है जबकि आवेदक द्वारा निगरानी में चुनौती दी गई है। अतः अपीलीय आदेश के विरुद्ध निगरानी वर्जित होने से अग्राह्य की जाती है। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>	<p>(डॉ० मधु खरे) सदस्य</p>